हिन्दी विभाग

शिक्षा वह क्षेत्र है जहाँ किसी भी क्षण कुछ नया कर गुजरने की संभावना बनी रहती है । संभावना का अर्थ ही है – चुनौती, चुनौतियों को स्वीकार करना ही शोध की राह पर चलना होता है। शोध का तात्पर्य है – समाज के समक्ष समाज के नये पक्ष उद्घाटित करना तथा नए सिरे से चिंतन मनन करते हुये समाज को एक नई दिशा प्रदान करना।

हिन्दी विभाग नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुये शोधपरक कार्यों में संलग्न हैं। विद्यार्थियों में लोक और शिष्ट साहित्य को आधुनिक दृष्टि से परखने की योग्यता विकसित करना, लोक और विश्व ग्राम के दौर में अपना स्थान निर्धारित करते हुये लोक का विश्व से और विश्व का लोक से अंतर संबंध स्थापित करना हमारे अध्ययन का उद्देश्य है, साथ ही हिन्दी विभाग का लक्ष्य ऐसे शोध करना है जिससे समाज को एक निश्चित दिशा प्राप्त हो सके। विभाग छात्रों द्वारा अध्ययन /अध्यापन, समूह चर्चा, विभागीय जांच परीक्षा, स्वमूल्यांकन पद्धति, पारदर्शी मूल्यांकन, सेमीनार आदि पर बल देता है। विभाग में देश के ख्याति प्राप्त चिंतक व्याख्यान हेतु आमंत्रित किये जाते हैं। विभागीय शिक्षक भी राष्ट्रीय सेमीनार, सम्मेलनों में अध्यक्ष, विशिष्ट वक्ता आदि की आसंदी पर आमंत्रित किये जाते हैं। ज्ञान विषयों का अंतर संबंध, तुलनात्मक अध्ययन छात्रों को साहित्य के रचनात्मक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि शिक्षण कार्य, स्वयंसेवी संगठनों, प्रेस और रंगमंच से भी जोड़ता है।

पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	फीस (प्रति सेमेस्टर)				न्यूनतम् योग्यता	सिलेबस / ओर्डिनेंस
एकीकृत स्नातक / स्नातकोत्तर कार्यक्रम स्नातक पाठ्यक्रम 3 वर्ष में पूर्ण होने के पश्चात् छोड़ने का विकल्प	30	10 सेमेस्टर	1000/- प्रति सेमेस्टर (प्रस्तावित)				न्यूनतम 50 % अंक के साथ 10+2 प्रणाली के अंतर्गत किसी मान्यता प्राप्त मण्डल / विश्वविद्यालय अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	
एम.ए हिन्दी साहित्य तथा अनुवाद विज्ञान	20	04 सेमेस्टर	3925/-	2500/-	2500/-	2500/-	गृहित विषय के साथ स्नातक 50% अंक	
एकीकृत एम.फिल. / पीएच.डी. कार्यक्रम 1 वर्ष एम.फिल.पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् छोड़ने का विकल्प	-	-	2050/-	1200/-			स्नातक 50 % अंक एवं स्नातकोत्तर 55 %, अंक हिन्दी विषय के साथ	
पी. एच.डी.	-						नियमानुसार	